

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से खेती-बाड़ी में आय वृद्धि के लिए क्या करें?

जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़, ओलावृष्टि तथा नए कीट एवं रोगों का प्रकोप बढ़ता है। इसका सीधा प्रभाव कृषि उत्पादन और किसानों की आय पर पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में किसानों को जलवायु के अनुकूल खेती अपनाकर उत्पादन लागत कम करने और आय बढ़ाने पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

आय वृद्धि के लिए प्रमुख उपाय

1. जलवायु अनुकूल फसलों एवं किस्मों का चयन

कम अवधि में तैयार होने वाली, सूखा एवं अधिक तापमान सहन करने वाली तथा रोग-कीट प्रतिरोधी उन्नत किस्मों का चयन करें। स्थानीय जलवायु और मिट्टी के अनुसार फसल का चुनाव करने से उत्पादन जोखिम कम होता है।

2. फसल विविधीकरण अपनाएं

केवल एक फसल पर निर्भर रहने के बजाय अनाज, दलहन, तिलहन, सब्जियों और बागवानी फसलों को शामिल करें। इससे किसी एक फसल के खराब होने पर पूरी आय प्रभावित नहीं होती।

3. कम पानी वाली खेती को बढ़ावा दें

वर्षा जल का संरक्षण करें और सिंचाई के लिए ड्रिप एवं स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों का उपयोग करें। खेत में मेड़बंदी, खेत-तालाब और वर्षा जल संचयन से पानी की उपलब्धता बढ़ाई जा सकती है।

4. अनुकूलन उपाय को अपनाएं-

- 1) जलवायु – संवेदनशील एवं उन्नत प्रजातियों का उपयोग करें।
- 2) एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन-हरी खाद+गोबर खाद + जैव उर्वरक+ रासायनिक उर्वरकों का संतुलित प्रयोग करना।
- 3) मल्लिंग (आच्छादन) का प्रयोग करें।
- 4) फसल चक्र अपनाएं।
- 5) न्यूनतम जुताई अपनाएं।
- 6) बेसिन / स्प्रिंकलर / ड्रिप सिंचाई अपनाएं।
- 7) समय पर सभी कृषि कार्य करें।
- 8) रिज एण्ड फरो (मेड़ और नाली) पद्धति से बुवाई करें।
- 9) एकीकृत कीट प्रबंधन (IPM) अपनाएं।
- 10) मेघदूत/भारत विस्तार एप्स का उपयोग करें।
- 11) अंतरफसल एवं मिश्रित फसल प्रणाली अपनाएं।
- 12) पशुओं का नियमित टीकाकरण कराएं।
- 13) कीट एवं संस्थागत ऋण का उपयोग करें।
- 14) FPO/SHG/PACS की सदस्यता लें।

निष्कर्ष

जलवायु परिवर्तन के दौर में किसानों के लिए केवल उत्पादन बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि **कम लागत, कम पानी, कम जोखिम और अधिक आय** वाली कृषि पद्धतियों को अपनाना आवश्यक है। जलवायु अनुकूल किस्मों, फसल विविधीकरण, जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, कृषि के साथ पशुपालन एवं बागवानी, आधुनिक तकनीक और

बेहतर विपणन को अपनाकर किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। सामूहिक खेती, FPO और सरकारी कृषि योजनाओं का लाभ उठाना भी किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में सहायक हो सकता है।